Ch-2

नाई

क. मनोहर की बहन का क्या नाम था ?

Ans. मनोहर की बहन का नाम चुन्नी था ।

ख. रामेश्वरी को कौन-सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था ?

Ans. रामेश्वरी को संतान प्राप्त नहीं हुआ था ।

ग. रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था ?

Ans. रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था ।

घ. मनोहर ने नाई को क्या मँगवाकर देने के लिए कहा ?

Ans. मनोहर ने नाई को पतंग मंगवाकर देने के लिए कहा ।

ङ. छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी ?

Ans. छत से गिरने पर मनोहर को टांग में चोट लगी ।

लिखित :-

1. क. बाबू रामजीदास रामजीदास धनी आदमी थे।

ख. शास्त्र में लिखा है कि जिसके पुत्र नहीं होता, उसकी मुक्ति नहीं होती।

ग. एक दिन रामेश्वरी का छत पर टहल रही थी।

घ. एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ।

2. किसने, किससे कहा ?

क. "ताऊ जी, हमें लेलगाडी ला दोगे ?"

मनोहर ने रामजीदास को कहा

ख. "नाई को नहीं ले जाएगी।"

मनोहर ने ~~राम~~ रामजीदास

ग. "इसे खोपड़ी पर लादना कहते हैं ?"

रामजीदास ने रामेश्वरी से कहा

घ. "उसे मेरे पास लाओ।"

रामेश्वरी ने रजीदास से

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए —

क. नाई से मनोहर नफ़रत करता था। इसका क्या कारण था?

Ans. नाई से मनोहर नफ़रत करता था। इसका कारण है —

1) मनोहर अभी बच्चा था। ~~इसके~~ उसमें समझ की कमी थी।

2) नाई का व्यवहार मनोहर के प्रति अच्छा नहीं था।

3) मनोहर को नाई ने अपनी गोद से धकेल दिया था।

4) रामेश्वरी से अपनी कोई संतान नहीं थी। रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे। इस कारण भी नाई संतुष्ट नहीं रहती थी।

ख. नाई का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ ?

Ans. नाई हमेशा मनोहर तथा रामजीदास पर क्रोधित रहती थी। वह किसी भी दशा में मनोहर को प्यार नहीं देना चाहती थी परंतु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है। ऐसा ही एक दिन हुआ। जब मनोहर का पैर मुँडेर से फिसल गया। उसकी आवाज को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर नाई रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पड़ी। मनोहर के निचे गिर जाने कारण उसकी टाँग की हड्डी उखड़ गई थी। इस घटना के बाद नाई का हृदय परिवर्तन हो गया।

ग. रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप क्या करती थी

Ans. रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप करती थी क्योंकि जब मनोहर छज्जे से नीचे गिर पड़ा, यह देखकर रामेश्वरी चीख मार कर छज्जे पर गिर पड़ी। रामेश्वरी एक सप्ताह तक बेहोश पड़ी रही कभी-कभी बड़े जोर से चिल्ला उठती। उसे इस बात का झटका लगा था कि शायद वह मनोहर को गिरने से बचा सकती थी और बचाने में देर कर दी। इसी प्रकार के प्रलाप वे किया करती।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क. शमलीदास शमेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए क्यों कहते थे ? शमेश्वरी मनोहर की घृणा क्यों करते थे ?

Ans. शमलीदास शमेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए इसलिए कहते थे कि वे स्वयं भी मनोहर को किसी प्रकार का कोई कष्ट दी । शमेश्वरी मनोहर से इसलिए घृणा करती थी क्योंकि मनोहर शमेश्वरी का अपना बेटा नहीं था ।

ख. शमेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर को वह किस प्रकार अपना क्रोध क्रोध प्रकट करती ? एक उदाहरण दीजिए ।

Ans. शमेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती जैसे — रेलगाड़ी माँगने पर लाजो ने कहा — ला देंगे । जब शमलीदास ने मनोहर से रेलगाड़ी में किस-किस को बैठाने की बात पूछी, तब मनोहर ने ताई जी के लिए ना में उत्तर दिया । शमलीदास मनोहर को अनकी गोद में बिठाने की चेष्टा की तो शमेश्वरी ने उसे अपनी गोद से ढकेल दिया ।

भाषा ज्ञान —

क. भौंहे तानना — क्रोध करना / नाराज होना

वाक्य — वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी-छोटी बातों पर भी भौंहे तान लेता है।

ख. गिरगिट की तरह रंग बदलना — सिद्धांतहीन होना / अवसरवादी होना

वाक्य — दिनेश का विश्वास मत करना, वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलता है।

ग. मुँह ताकना — दूसरों पर निर्भर करना।

वाक्य — जो कर्मशील होते हैं, वे किसी का मुँह नहीं ताकते।

घ. सोच में घुला करना — चिंता करना / चिंतित रहना

वाक्य — जो हमारे वश में नहीं, उसके लिए सोच में घुला करना व्यर्थ है।

ङ. हृदय से लगाना — अपने दिल से जोड़ना

वाक्य – काफी समय बाद मिलने पर बूढ़ी माँ ने अपने बेटे को हृदय से लगा लिया।

निम्नलिखित गद्यांश में विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए –

बाबू साहब इसे अपनी अर्धांगिनी के पास ले गए और बोले "लो इसे प्यार कर लो नो यह तुम्हें भी ले जाएगा"। परंतु नाई श्रीमती रामेश्वरी को पति की यह चुटलबाज़ी अच्छी न लगी।

क्रियाकलाप –

सही शब्द चुनकर मुहावरे लिखिए –

नाच ने जाने आँगन टेढ़ा

पलकें बिछना

गले का हार

लोहा लेना

खबर लेना

दाँत खट्टे करना

टाँग अड़ाना

घर का उजाला

पहाड़ टूटना

आँखों की दाढ़ी में तिनका

ढील पीटना

नौ दो ग्यारह होना ✓

A. Prusty

— X —